अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 80

प्र.1 किन्हीं सोलह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए – 16

आचार्य भिक्षु (कोई बारह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य भिक्षु से दीक्षा के लिए प्रतिबोधित होते ही हेमराजजी स्वामी ने कौनसा संकल्प स्वीकार किया?

(ख) ''जोधपुर नरेश विजयसिंहजी ने सरोवरों व कूपों पर राज्य की और से छलने रखवा दिए हैं। तुम बताओ इसमें राजाजी को धर्म हुआ या पाप।'' यह कथन किसने किससे कहा?

(ग) गुण परिणमनों की दृष्टि से पुद्गल किन–किन नामों से जाने जाते हैं?

(घ) स्वामीजी ने सं. 1832 में संघ की सुव्यवस्था के लिए कौनसे दो महत्त्वपूर्ण कार्य किए?

(ड.) स्वामीजी से सिरियारी की हाट में चातुर्मास की प्रार्थना कहाँ व किसने की?

(च) आचार्य भिक्षु और मुनि खंतिविजयजी का शास्त्रार्थ कहाँ व किस विषय पर हुआ?

(छ) आचार्य भिक्षु का जन्म कब व कहाँ हुआ?

(ज) ''केवली सदा सूत्र व्यक्तिरिक्त ही होते हैं, वे जो बोलते हैं वही सूत्र बन जाता है।'' यह कथन किसने किससे व किसके लिए कहे?

(झ) स्वामीजी को यह आभास कब व कहाँ हुआ कि अब उनका आयुष्य पूर्ण होने वाला है?

(ञ) आचार्य जयमलजी के टोले के कितने संतों ने स्वामीजी का साथ देने का निश्चय किया?

(ट) आगमानुसार कम से कम कितनी साध्वियों का साथ रहना आवश्यक है? और तेरापंथ धर्मसंघ चतुर्विध संघ कब बना?

(ठ) स्वामीजी के स्मारक के नवीनीकरण का निश्चय कब हुआ?

(ड) चर्चा किसे कहते हैं?

(ढ़) स्वामीजी के शासनकाल में कुल कितने व्यक्तियों ने दीक्षा ग्रहण की?

आचार्य श्री भारमलजी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ण) सिंह के स्वप्न को जैन परम्परा में महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है?

(त) भगवान महावीर के कितने शिष्यों में से कितने केवली हुए?

(थ) आचार्य शयम्भव ने दशवैकालिक में परिग्रह किसे माना है?

(द) बीलाड़ा में स्वामीजी को एक रोटी देने पर क्या दण्ड दिया जाता था?

(ध) कष्ट और तपस्या में क्या अन्तर है?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 10

आचार्यश्री भिक्षु (किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) आचार्य भिक्षु के अनुसार स्थानक में रहने से साधु को ''उद्दिष्ट'' दोष का भागी होना पड़ता है। कैसे? स्पष्ट करें।

(ख) स्वामीजी से किसी ने पूछा – पौषध करने वाले को अपना मकान दिया। उसे क्या हुआ? स्वामीजी ने उसे कैसे समझाया?

(ग) मुनि थिरपालजी और फतेहचन्दजी ने आचार्य भिक्षु को जनोद्वार के लिए सविनय निवेदन कैसे किया?

आचार्यश्री भारमलजी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(घ) युवाचार्य भारमलजी द्वारा स्थानांग सूत्र की प्रति पूर्ण कर स्वामीजी के सम्मुख रखने

पर स्वामीजी ने क्या कहा, तथा उस समय भारमलजी स्वामी ने क्या निवेदन किया?

(ड.) आपके कान अनबींधे क्यों हैं? आचार्य भारमलजी ने इस प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

(च) आचार्य भारमलजी का 1869 का जयपुर चातुर्मास उपलब्धियों की दृष्टि से किस प्रकार महत्त्वपूर्ण बना?

आचार्य भिक्षु

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 18

(क) तेरापंथ की उद्‌भवकालीन स्थितियों में साधु समाज की धार्मिक स्थिति क्या थी? जिसका वर्णन आचार्य भिक्षु ने ''आचार की चौपाई'' में भी किया है? वर्णन करें।

(ख) सिद्ध करें कि स्वामीजी स्पष्टवादी व्यक्ति थे।

(ग) स्वामीजी वितण्डावादी व्यक्तियों से बहुधा बचने का प्रयत्न करते थे परन्तु कभी–कभी उनको ऐसा उत्तर भी देते थे जिसे '' जैसे को तैसा'' कहा जा सकता है। स्पष्ट करें।

प्र.4 आचार्य भिक्षु की साहित्यिक प्रतिभा का वर्णन करें। 15

'अथवा'

स्वामीजी के जीवन के अन्तिम दिनों का वर्णन अपने शब्दों में करें।

आचार्यश्री भारमलजी

प्र.5 ''आचार संहिता'' पर टिप्पणी लिखें। 6

'अथवा'

घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि आचार्य भारमलजी बाल्यावस्था से ही निर्भीक थे।

प्र.6 ''भीखणजी बड़े चतुर हैं।'' आचार्य जयमलजी के कथन को स्पष्ट करते हुए लिखें कि स्वामीजी ने तीनों ''घरों में बधावणा'' कैसे की? 15

'अथवा'

सिद्ध करें कि आचार्य भारमलजी एक कुशल धर्माचार्य थे।

तेरापंथ प्रबोध – 20

प्र.7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें – 8

(क) ''विद्यागुरु जयाचार्य मान्या'' वाला पद्य। (ख) ''नैसर्गिक वचन सिद्धि'' वाला पद्य।

(ग) ''समयं गोयम!मा पमायए'' वाला पद्य।

(घ) ''वन्दना लो झेंलो, भक्तां री भगवान'' गीत वाला पद्य।

(ड) ''कर कंगण आंख्यां स्यूं दीखै'' वाला पद्य।

प्र.8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें – 12

(क) ''अपणी आतमा ही अपणी पहरेदार'' वाला पद्य।

(ख) ''पाली घी, घी सहित घाट ली'' वाला पद्य।

(ग) ''प्रभो यह तेरापन्थ महान'' गीत वाला पद्य।

(घ) ''परम समाधी.....भरमार हो।।

(ड़) ''भारी मर्यादा बांधी'' गीत वाला पद्य।